लक्ष्मी पूजन संपूर्ण विधि 2026

दीपावली: रविवार, 8 नवंबर 2026

पाँचों दिन · चरण-दर-चरण पूजा · सामग्री · मंत्र · 100 शहरों का मुहूर्त

yajmanconnect.com

यजमान और धाम के बीच, भरोसे का सेतु

दीपावली 2026: मुख्य जानकारी

लक्ष्मी पूजन: रविवार, 8 नवंबर 2026 · कार्तिक अमावस्या
अमावस्या तिथि (भारतीय समय): 8 नवंबर सुबह 11:28 से 9 नवंबर दोपहर 12:32 तक
श्रेष्ठ मुहूर्त: प्रदोष काल, स्थिर वृषभ लग्न और अमावस्या, तीनों एक साथ। दिल्ली में शाम 5:55 से 7:50 तक।

भारत के शहरों में लक्ष्मी पूजन मुहूर्त (शाम, स्थानीय समय)

शहर	तारीख	मुहूर्त
लखनऊ	8 नवं	5:43 – 7:40
आगरा	8 नवं	5:54 – 7:51
अहमदाबाद	8 नवं	6:23 – 8:21
अलीगढ़	8 नवं	5:53 – 7:49
अंबाला	8 नवं	5:53 – 7:48
अमृतसर	8 नवं	5:59 – 7:53
अयोध्या	8 नवं	5:38 – 7:35
बरेली	8 नवं	5:47 – 7:43
बेंगलुरु	8 नवं	6:18 – 8:20
भोपाल	8 नवं	6:03 – 8:01
भुवनेश्वर	8 नवं	5:34 – 7:33
बीकानेर	8 नवं	6:12 – 8:08
चंडीगढ़	8 नवं	5:52 – 7:47
चेन्नई	8 नवं	6:07 – 8:09
देहरादून	8 नवं	5:48 – 7:43
दिल्ली	8 नवं	5:55 – 7:50
फरीदाबाद	8 नवं	5:55 – 7:51
गाज़ियाबाद	8 नवं	5:54 – 7:49
गोरखपुर	8 नवं	5:33 – 7:30
गुरुग्राम	8 नवं	5:56 – 7:52
गुवाहाटी	8 नवं	5:02 – 6:58
ग्वालियर	8 नवं	5:55 – 7:52
हरिद्वार	8 नवं	5:48 – 7:43
हिसार	8 नवं	6:00 – 7:55
हैदराबाद	8 नवं	6:08 – 8:09
इंदौर	8 नवं	6:10 – 8:09
जबलपुर	8 नवं	5:53 – 7:51
जयपुर	8 नवं	6:03 – 8:00
जालंधर	8 नवं	5:56 – 7:50
जम्मू	8 नवं	5:57 – 7:50
जोधपुर	8 नवं	6:15 – 8:12
कानपुर	8 नवं	5:46 – 7:43
करनाल	8 नवं	5:54 – 7:49
कोलकाता	8 नवं	5:20 – 7:19
कोटा	8 नवं	6:07 – 8:04
लुधियाना	8 नवं	5:56 – 7:51
मेरठ	8 नवं	5:53 – 7:48
मुंबई	8 नवं	6:28 – 8:28
नागपुर	8 नवं	6:00 – 7:59
नोएडा	8 नवं	5:54 – 7:49
पानीपत	8 नवं	5:55 – 7:50
पटियाला	8 नवं	5:55 – 7:50
पटना	8 नवं	5:29 – 7:26
प्रयागराज	8 नवं	5:42 – 7:39
पुणे	8 नवं	6:25 – 8:25
रायपुर	8 नवं	5:50 – 7:49
राजकोट	8 नवं	6:31 – 8:30
रांची	8 नवं	5:31 – 7:29
रोहतक	8 नवं	5:57 – 7:52
शिमला	8 नवं	5:50 – 7:44
श्रीनगर	8 नवं	5:54 – 7:47
सूरत	8 नवं	6:25 – 8:24
उदयपुर	8 नवं	6:16 – 8:13
वडोदरा	8 नवं	6:21 – 8:20
वाराणसी	8 नवं	5:38 – 7:35

विदेश में लक्ष्मी पूजन मुहूर्त (स्थानीय समय)

शहर	तारीख	मुहूर्त
अबू धाबी	8 नवं	6:03 – 8:00
एडिलेड	8 नवं	8:28 – 9:55
एम्स्टर्डम	8 नवं	5:12 – 6:48
अटलांटा	8 नवं	6:00 – 7:53
ऑकलैंड	8 नवं	8:38 – 10:03
बहरीन	8 नवं	5:15 – 7:12
बर्मिंघम	8 नवं	4:38 – 6:14
बॉस्टन	8 नवं	4:47 – 6:34
ब्रैम्पटन	8 नवं	5:18 – 7:04
ब्रिस्बेन	8 नवं	6:46 – 8:19
कैलगरी	8 नवं	5:11 – 6:49
शिकागो	8 नवं	4:54 – 6:41
डैलस	8 नवं	5:51 – 7:45
दोहा	8 नवं	5:13 – 7:11
दुबई	8 नवं	5:59 – 7:56
डरबन	8 नवं	6:57 – 8:30
एडमंटन	8 नवं	4:58 – 6:33
फ़्रैंकफ़र्ट	8 नवं	5:04 – 6:44
ह्यूस्टन	8 नवं	5:51 – 7:46
काठमांडू (नेपाल)	8 नवं	5:39 – 7:35
कुआलालंपुर	8 नवं	7:25 – 9:21
कुवैत	8 नवं	5:20 – 7:16
लेस्टर	8 नवं	4:35 – 6:10
लंदन	8 नवं	4:34 – 6:12
लॉस एंजेलिस	8 नवं	5:15 – 7:07
मैनचेस्टर	8 नवं	4:35 – 6:09
मेलबर्न	8 नवं	8:39 – 10:03
मस्कट	8 नवं	5:49 – 7:47
नैरोबी	8 नवं	6:50 – 8:43
न्यू जर्सी (एडिसन)	8 नवं	5:05 – 6:53
न्यूयॉर्क	8 नवं	5:03 – 6:51
पर्थ	8 नवं	7:22 – 8:52
फ़ीनिक्स	8 नवं	5:51 – 7:44
पोर्ट लुई (मॉरीशस)	8 नवं	6:55 – 8:35
पोर्ट ऑफ़ स्पेन (त्रिनिदाद)	8 नवं	6:06 – 8:08
सैन होज़े / बे एरिया	8 नवं	5:21 – 7:12
सिएटल	8 नवं	4:56 – 6:38
सिंगापुर	8 नवं	7:20 – 9:14
सरी (BC)	8 नवं	4:53 – 6:34
सुवा (फ़िजी)	8 नवं	6:50 – 8:30
सिडनी	8 नवं	8:05 – 9:33
टोरंटो	8 नवं	5:16 – 7:02
वैंकूवर	8 नवं	4:54 – 6:34
वॉशिंगटन डीसी	8 नवं	5:19 – 7:09
वेलिंगटन	8 नवं	8:48 – 10:08

मुहूर्त प्रदोष काल, स्थिर वृषभ लग्न और अमावस्या तिथि के एक साथ होने के आधार पर है। जहाँ ये तीनों एक साथ न हों, वहाँ प्रदोष काल दिया गया है। अपने शहर का पूरा विवरण (निशीथ काल सहित) देखें: yajmanconnect.com/tools/lakshmi-puja-muhurat-2026/

पूजा से पहले की तैयारी

- **सफ़ाई:** मान्यता है कि लक्ष्मी जी स्वच्छ घर में आती हैं। पूजा से पहले पूरा घर, ख़ासकर मुख्य द्वार और पूजा स्थान साफ़ करें।
- **सजावट:** मुख्य द्वार पर आम या अशोक के पत्तों और गेंदे का तोरण, और आँगन या द्वार पर रंगोली बनाएँ। कई घरों में द्वार से अंदर की ओर लक्ष्मी जी के पदचिह्न बनाए जाते हैं।
- **पूजा स्थान:** उत्तर या ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में चौकी रखें।
- **समय:** सामग्री दोपहर तक जुटा लें, ताकि मुहूर्त के समय जल्दबाज़ी न हो।

पूजा सामग्री चेकलिस्ट

स्थापना

- ☐ लक्ष्मी जी और गणेश जी की प्रतिमा
- ☐ कुबेर और सरस्वती जी का चित्र (वैकल्पिक)
- ☐ लकड़ी की चौकी
- ☐ लाल कपड़ा
- ☐ कलश (तांबे या मिट्टी का)
- ☐ आम के पत्ते
- ☐ नारियल
- ☐ श्री यंत्र (वैकल्पिक)

पूजन सामग्री

- ☐ रोली, कुमकुम, सिंदूर
- ☐ अक्षत (साबुत चावल)
- ☐ हल्दी, चंदन
- ☐ कलावा
- ☐ फूल, माला, कमल (हो सके तो)
- ☐ धूप, अगरबत्ती, कपूर
- ☐ पान, सुपारी, लौंग, इलायची
- ☐ इत्र
- ☐ कमलगट्टा, धनिया के बीज
- ☐ चाँदी या अन्य सिक्के
- ☐ गंगाजल
- ☐ पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, शक्कर)
- ☐ बही-खाता और कलम (व्यापारियों के लिए)
- ☐ पूजा की थाली, लोटा, घंटी

प्रसाद और दीप

- ☐ खील और बताशे
- ☐ मिठाई
- ☐ फल
- ☐ मेवे
- ☐ मिट्टी के दीये (11, 21 या अधिक)
- ☐ घी और सरसों का तेल
- ☐ रुई की बत्ती
- ☐ बड़ा अखंड दीपक

ऑनलाइन टिक करने वाली सूची: yajmanconnect.com/tools/puja-samagri/?p=lakshmi

लक्ष्मी-गणेश पूजन: चरण-दर-चरण

1. **शुद्धि:** स्नान करके साफ़ कपड़े पहनें। पूजा स्थान और अपने ऊपर गंगाजल छिड़कें।
2. **स्थापना:** चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएँ। लक्ष्मी जी की प्रतिमा रखें, और उनकी दाईं ओर गणेश जी। पास में कलश स्थापित करें, उसमें जल, सुपारी, सिक्का और अक्षत डालें, मुख पर आम के पत्ते और नारियल रखें।
3. **दीप प्रज्वलन:** घी का बड़ा दीपक जलाएँ, जो पूरी पूजा और हो सके तो रात भर जलता रहे।
4. **संकल्प:** हाथ में जल, अक्षत और फूल लेकर अपना नाम, गोत्र, स्थान और तिथि लेकर पूजा का संकल्प करें।
5. **गणेश पूजन:** सबसे पहले गणेश जी को तिलक, अक्षत, फूल, दूर्वा और मिठाई अर्पित करें।
6. **कलश पूजन:** कलश पर रोली, अक्षत और फूल चढ़ाएँ।
7. **लक्ष्मी पूजन:** लक्ष्मी जी को पंचामृत या जल से स्नान का भाव, फिर वस्त्र या कलावा, रोली, सिंदूर, अक्षत, कमल या लाल फूल, इत्र, कमलगट्टा और धनिया अर्पित करें। खील-बताशे, मिठाई और फल का भोग लगाएँ।
8. **कुबेर, सरस्वती और बही-खाता पूजा:** तिजोरी या धन रखने के स्थान पर कुबेर जी की पूजा करें। व्यापारी नए बही-खाते पर स्वास्तिक और "शुभ-लाभ" लिखकर पूजा करते हैं।
9. **मंत्र-जप:** नीचे दिए मंत्रों का श्रद्धा से 11, 21 या 108 बार जप करें।
10. **आरती:** कपूर और घी के दीपक से लक्ष्मी जी की आरती करें, फिर गणेश जी की।
11. **दीपदान:** पूजा के बाद पूरे घर, मुख्य द्वार, आँगन, छत और तुलसी के पास दीये जलाएँ।
12. **क्षमा प्रार्थना:** पूजा में हुई किसी भूल के लिए क्षमा माँगें और परिवार के साथ प्रसाद बाँटें।

सरल मंत्र
गणेश जी: ॐ गं गणपतये नमः
लक्ष्मी जी: ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
कुबेर जी: ॐ कुबेराय नमः
सरस्वती जी: ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः

परंपराएँ परिवार और क्षेत्र के अनुसार अलग होती हैं। विस्तृत विधि के लिए अपने कुल पुरोहित से मार्गदर्शन लें।

पाँचों दिन क्या करें

दिन	तारीख	मुख्य कार्य
धनतेरस	6 नवंबर, शुक्रवार	धन्वंतरि और कुबेर पूजा, नए बर्तन या धातु की खरीद, यम दीपदान
छोटी दिवाली / नरक चतुर्दशी	7 नवंबर, शनिवार (कई पंचांगों में स्नान 8 की सुबह)	अभ्यंग स्नान, यम के नाम दीपक, घर में दीप
दीपावली	8 नवंबर, रविवार	लक्ष्मी-गणेश पूजन, बही-खाता पूजा, दीपमाला
गोवर्धन पूजा / अन्नकूट	9 या 10 नवंबर (पंचांगों में मतभेद)	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट का भोग, गौ पूजा
भाई दूज	10 या 11 नवंबर (पंचांगों में मतभेद)	बहन द्वारा भाई को तिलक, यम द्वितीया

धनतेरस (6 नवंबर)

भगवान धन्वंतरि (आरोग्य के देवता) और कुबेर जी की पूजा का दिन। इस दिन नए बर्तन, चाँदी या अन्य धातु की वस्तु, या झाड़ू ख़रीदना शुभ माना जाता है। शाम को घर के बाहर दक्षिण दिशा में यम के नाम का दीपक (यम दीपदान) जलाने की परंपरा है।

छोटी दिवाली / नरक चतुर्दशी (7 नवंबर)

सुबह सूर्योदय से पहले उबटन लगाकर अभ्यंग स्नान की परंपरा है। शाम को घर में दीपक जलाए जाते हैं। कई जगह इसे रूप चौदस भी कहते हैं।

दीपावली (8 नवंबर)

मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश पूजन, बही-खाता पूजा और दीपमाला। परिवार के साथ प्रसाद बाँटें और बड़ों का आशीर्वाद लें।

गोवर्धन पूजा / अन्नकूट

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की स्मृति में गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजा, और अनेक पकवानों का अन्नकूट भोग। गायों की पूजा भी की जाती है।

भाई दूज

बहनें भाई को तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं, और भाई बहन को उपहार देते हैं। इसे यम द्वितीया भी कहते हैं।

> **सुरक्षा का ध्यान रखें:** दीये परदों और कपड़ों से दूर रखें, बच्चों को दीयों और पटाखों के पास अकेला न छोड़ें, पानी या रेत की बाल्टी पास रखें, और पालतू जानवरों व बुज़ुर्गों को तेज़ आवाज़ से बचाएँ।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

लक्ष्मी पूजन प्रदोष काल में ही क्यों?
अमावस्या की रात्रि के आरंभ, यानी प्रदोष काल में लक्ष्मी पूजन की परंपरा है। स्थिर (वृषभ) लग्न में पूजा करने से लक्ष्मी स्थिर रहती हैं, ऐसी मान्यता है।

मुहूर्त छूट जाए तो?
मुहूर्त छूट जाए तो प्रदोष काल में, और वह भी न हो तो रात में श्रद्धा से पूजा करें। भाव सबसे महत्वपूर्ण है।

विदेश में दिवाली की तारीख?
ज़्यादातर देशों में लक्ष्मी पूजन 8 नवंबर को ही पड़ता है, पर मुहूर्त स्थानीय समय से अलग होता है। अपने शहर का समय ऊपर की तालिका या हमारे टूल में देखें।

yajmanconnect.com पर और मुफ़्त टूल:
आज का पंचांग और चौघड़िया · लक्ष्मी पूजन मुहूर्त · शुभकामना कार्ड मेकर · पूजा सामग्री सूची · छठ अर्घ्य समय · व्रत कैलेंडर

यह पुस्तिका उपयोगी लगी? इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ WhatsApp पर ज़रूर शेयर करें।

yajmanconnect.com · यजमान और धाम के बीच, भरोसे का सेतु

© 2026 YajmanConnect, AI Hindi Guru द्वारा संचालित। निःशुल्क वितरण के लिए।